फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 71 संख्याः 122 प्रभात जयपुर, गुरुवार 3 दिसम्बर, 2020 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2018-20 पृष्ठ 10 मूल्य 2.00 रु.

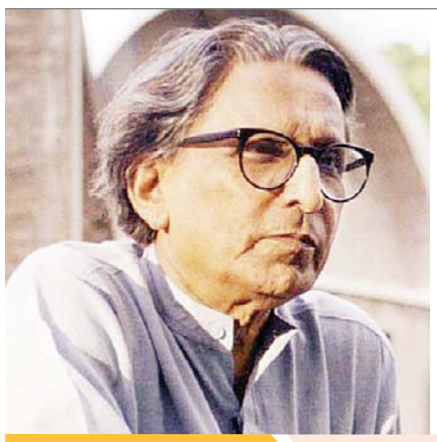

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT TODAY

Modern Day Vidyadhar

BV Doshi, who designed Vidyadhar Nagar in Jaipur, is an important figure of South Asian architecture and noted for his contributions to the evolution of architectural discourse in India.

Breast Tax

World's Deadliest Lake

सऊदी अरेबिया का प्राचीन शहर हैग्रा, जो कई सदियों से बाहरी लोगों से अछूता रहा, को अब अंततः पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। असल में सऊदी अरेबिया अब पर्यटन को भी आय का जरिया बनाना चाहता है। हैग्रा को मदेन सालेह के नाम से भी जाना जाता है। लगभग 2000 साल तक यह दुनिया की नजरों से दूर रहा है। नबातिअन साम्राज्य का दूसरा बड़ा शहर हैग्रा सऊदी अरब के जाने -माने पर्यटक स्थल पैत्रा जैसा दिखता है। लेकिन पैत्रा के मुकाबले यह हमेशा दूसरे नम्बर पर ही रहा, फिर भी बहुत महत्वपूर्ण है और एक भूली बिसरी सभ्यता के रहस्यों की चाभी हो सकता है। नबातिअन लोगों का स्थानीय व्यापारिक मार्गों पर आधिपत्य था। उनके नेतृत्व में हैग्रा खूब फला-फूला। हैग्रा में बहुत सावधानी से पत्थर में तराशे हुए 111 मकबरे हैं हालांकि पैत्रा की तुलना में मकबरों की संख्या कम है, जहां 600 से ज्यादा मकबरे हैं। लेकिन हैग्रा के मकबरे बेहतर स्थिति में हैं। इसके स्थापत्य पर यूनानी और रोमन स्थापत्य का असर स्पष्ट नजर आता है। अग्र भाग में प्रवेश द्वारों के ऊपर का हिस्सा नबातिअन ''क्राउन'' (मुकुट) जैसा है जिसमें ऊपर की तरफ जाती हुई 5-5- सीढ़ियों के दो सैट हैं, जो कि, माना जाता है कि, रुहों को जन्नत तक पहुँचाने का इंतजार कर रही हैं। ग्रीक, यूनानी, रोमन, मिस्र और पर्शियन सभ्यताओं की महत्वपूर्ण पहचान, स्फिंक्स, पंख फैलाए बाज़ व ग्रिफिन (पंखों वाले शेर), मकबरों के ऊपर डरावनी मुद्रा में मंडराते हुए दर्शाए गए हैं। मकबरों की रक्षा करने वालों में, बालों की जगह हज़ारों सर्प वाले मैडुसा जैसे मास्क भी हैं। पुरातत्वविद् लैला नेहम हैग्रा के स्थापत्य स्टाइल को ''बरोक'' कहती हैं, क्योंकि इसपर कई सभ्यताओं की शैलियों का प्रभाव है। हैग्रा के मकबरों में ऐसे कई अभिलेख उत्कीर्ण हैं जिनमें मकबरे पर कब्जा करने पर कड़े दैवीय दंड की चेतावनी लिखी हुई है, जबकि पैत्रा में ऐसा नहीं है। हैग्रा का सबसे पुराना मकबरा पहली सदी ईसा पूर्व का है और सबसे नया 70 ईस्वी का, इसीलिए ये पुरातत्वविदों के लिए किसी सोने की खान से कम नहीं हैं, क्योंकि इनसे नबातिअन सभ्यता के बारे में और जानकारी मिलेगी। यहां का सबसे बड़ा मकबरा 72 फीट ऊंचा है और एक ही चट्टान को तराशकर बनाया गया है। इसे ''टूम्ब ऑफ लिहयान सन ऑफ कुज़ा'' कहते हैं।

राहुल को योग्य हाथों की कमी महसूस हो रही है

उदाहरण के लिए सुरजेवाला को जब महासचिव बनाया गया था, तो यह भी निर्णय लिया गया था कि सुरजेवाला को मीडिया प्रभारी की जिम्मेवारी से मुक्त किया जायेगा

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। राहुल गांधी, जिनका कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में फिर से राजतिलक होना है, अपने कैम्प में ऐसे योग्य नेताओं की भारी कमी का सामना कर रहे हैं जिन्हें वे आगामी जनवरी या फरवरी में हो रहे पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के बाद अपनी टीम में स्थान दे सकें।

सबसे पहले तो उन्हें अपने पसन्दीदा एवं पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेगुगोपाल की जगह कोई दूसरा व्यक्ति ढूंढ़ना होगा क्योंकि जिस तरह से वेगुगोपाल का स्टाफ पार्टी नेताओं के साथ आवश्यक मीटिंग्स नहीं होने देता और वे स्वयं भी पार्टी के संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा के इच्छुक पार्टी कार्यकताओं से शायद ही मुलाकात करते हैं, उसे लेकर पार्टी के करीब-करीब सभी सीनियर नेता उन्हें अपने पद से हटवाना चाहते हैं। वेणुगोपाल यद्यपि केरल के रहने वाले हैं, लेकिन वर्तमान में वे राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं।

- **पर पूरी कश्मकश के बावजूद सुरजेवाला ही मीडिया प्रभारी का पद संभाले हुए हैं। उनका कोई विकल्प नहीं मिल पाया।**
- **प्रवक्ताओं को मीडिया प्रभारी नहीं बनाया गया, उनकी अनुभवहीनता के कारण। आनंद शर्मा, मनीष तिवाड़ी, व जयराम का नाम इसलिए कटा क्योंकि पहले दो तो बगावती थे, तथा जयराम रमेश बड़बोलेपन के कारण कई बार ज्यादा बोल जाते हैं। अभिषेक मनु सिंघवी को उपयुक्त माना था, पर उनकी प्रौफेशनल व्यस्तता उन्हें यह जिम्मेदारी लेने से रोकती है।**
- **दूसरी ओर मधुसूदन मिस्त्री, ए. आई. सी. सी. के डैलिगेट्स की सूची लेकर तैयार हैं, जनवरी-फरवरी में महाधिवेशन में अध्यक्ष व सी. डब्ल्यु. सी. के सदस्यों का चुनाव कराने के लिए। पर, समस्या यह है कि, किन्हें चुना जाए सी. डब्ल्यु. सी. के सदस्य के रुप में।**

वेगुगोपाल के उत्तराधिकारी की खोज हालांकि जोर-शोर से शुरू हो चुकी है, फिर भी ए.आई.सी.सी. महासचिव एवं पार्टी के मीडिया डिपार्टमैन्ट के प्रमुख व हरियाणा से पूर्व विधायक रहे रणदीप सिंह सुरजेवाला, ने यह उल्लेख करते हुए इस पद के लिए अपनी ताल ठोक दी है कि वेणुगोपाल इसलिए विफल हुए क्योंकि वे पार्टी के उत्तर-भारत के हिन्दी भाषी कार्यकताओं के साथ वार्तालाप नहीं कर सकते। सुरजेवाला यह कहते हुए इस पद के लिए सर्वाधिक उपयुक्त प्रत्याशी होने का दावा कर रहे हैं कि वे कांग्रेसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सभी थानों में सी.सी.टी.वी. कैमरा लगें'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। सर्वोच्च न्यायायलय ने बुधवार को राज्य सरकारों की खिंचाई करते हुए कहा कि उन्होंने इस अदालत के 2018 के उन निर्देशों की अनुपालना नहीं की है जिनमें कहा गया था कि पूरे देश में सभी थानों में सी.सी.टी.वी. (क्लोज़ सर्किट टेलिविज़न) कैमरे लगाये जाये। इसके साथ ही राज्य सरकारों को निर्देशित किया गया था कि पुलिस द्वारा लिये गये गवाहों के बयान की

- **सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2018 के आदेश को पुनः पुरजोर ढंग से दोहराया।**

वीडियोग्राफी अनिवार्यतः की जानी चाहिये।

न्यायमूर्ति रोहिन्टन फाली नरीमन, के.एम. जोसफ तथा अनिरूद्ध बोस ने सभी राज्य सरकारों को निर्देशित किया कि वे इस मामले में हलफनामे पेश करें। अदालत ने वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे, जिन्हें अदालत के सहयोग-सहायता के लिये न्याय मित्र नियुक्त किया गया है, से कहा कि वे सी.सी.टी.वी. फुटेज को कम से कम 49 दिन तक सुरक्षित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर के महाराज कुमार पृथ्वीराज सिंह का देहान्त

-प्रकाश भण्डारी-

जयपुर, 2 दिसंबर। जयपुर राज परिवार के एक और चिराग तथा स्वर्गीय महाराजा सवाई मानसिंह के तृतीय पुत्र महाराज कुमार पृथ्वीराज का 85 वर्ष की अवस्था में करोना के कारण बुधवार की संध्या को निधन हो गया। वह अपने पीछे पुत्र विजित सिंह और दो पौत्र वेदान्त सिंह और सिद्धांत सिंह तथा पौत्री मोशिता छोड़ गए। पृथ्वीराज राज परिवार के होटल रामबाग पैलेस और जयमहल पैलेस के संचालक मण्डल में थे।

- **85 वर्षीय पृथ्वीराज सिंह करोना से संक्रमित होने के कारण संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल में भर्ती हुए थे, जहां बुधवार शाम को उनका देहान्त हो गया।**

महाराजा सवाई मान सिंह की द्वितीय पत्नी जोधपुर की किशोरकुमारी से स्वर्गीय महाराजा के दो पुत्र हुए- जयसिंह और पृथ्वीराज। किशोरकुमारी, स्वर्गीय महाराजा ब्रिगेडियर भवानी सिंह की मां जोधपुर की राजकुमारी मरूधर कुंवर की भतीजी थीं। जब जयसिंह और पृथ्वीराज किशोरवस्था में ही थे, तभी उनकी मां का निधन हो गया था।

महाराज पृथ्वीराज ने अपने भाई भवानी सिंह और जयपुर के साथ इंग्लैण्ड के विश्व प्रसिद्ध हैरो स्कूल में शिक्षा प्राप्त की।

1947 में आजादी के बाद जब सभी रियासतों का भारतीय संघ में विलय हो गया तब स्वर्गीय महाराजा सवाई मानसिंह ने अपने दो पुत्रों जयसिंह और पृथ्वीराज को घनश्याम दास बिड़ला के भांजे जी.डी. कोठारी के व्यापार समूह जी.डी.कोठारी ग्रुप ऑफ कम्पनीज में व्यापार का प्रशिक्षण लेने कलकत्ता भेजा। दोनों ही भाईयों ने कलकत्ता में साधारण लोगों की तरह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अंतरिम स्थाई बने'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। जुलाई 2019 से 17 महीनों तक अंतरिम अध्यक्ष रहने के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष

- **सोनिया गांधी ने यूथ कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष को 17 महीने बाद स्थाई अध्यक्ष बनाया।**

सोनिया गांधी ने कर्नाटक के बी.वी. श्रीनिवास को बुधवार को इंडियन यूथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा-शिवसेना के बीच राजनीतिक झड़पें और बढ़ीं व तीक्ष्ण हुईं

शिवसेना ने पूर्व मु.मंत्री फड़नवीस पर, अपने प्रिय प्रौजेक्ट के संचालन में 10,000 करोड़ के घपले का आरोप लगाया व जांच के लिए स्पैशल इन्वैस्टिगेशन टीम का गठन किया

- श्रीनन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। भाजपा और शिवसेना के बीच स्वयं को राजनैतिक रूप से बड़ा सिद्ध करने की लड़ाई बहुत तेज हो गई है। उद्धव ठाकरे ने पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस के ''जलयुक्त शिविर योजना'' नामक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में रिश्वत के आरोपों की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम गठित कर दी है। अपने मुख्यमंत्रित्व काल में, फड़नवीस ने इस प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग सूखाग्रस्त जिलों को पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की थी।

पिछले कुछ महीनों के दौरान, भाजपा और शिवसेना के बीच की लड़ाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन. आर. आई. अब विदेश में बैठे-बैठे वोट करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। नॉन रेजीडेन्ट इन्डियन्स (एन.आर.आई)या

- **चुनाव आयोग के एक विश्लेषण के अनुसार विदेशों में एक करोड़ प्रवासी भारतीय हैं, जिनमें 60-70 लाख जायज़ मतदाता हैं।**

विदेशों में रह रहे वे भारतीय, जिन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिटेन के प्र.मंत्री मुख्य अतिथि होंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसंबर। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन (56) को 26 जनवरी की गणतन्त्र दिवस परेड के अवसर पर मुख्य अतिथि बनाये जाने की प्रबल संभावना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 नवम्बर को इन दोनों नेताओं के बीच

- **इंगलैण्ड के प्र.मंत्री बोरिस जॉनसन ने मोदी का निमंत्रण स्वीकार किया, 26 जनवरी की गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लेने के बारे में।**

हुई टेलीफोन वार्ता के दौरान, उन्हें इसके लिए औपचारिक आमंत्रण दिया। इसके बदले में जॉनसन ने यह इच्छा व्यक्त की कि मोदी अगले वर्ष इंग्लैंड में आयोजित होने वाले जी-7 सम्मेलन में शामिल हों।

सन् 1993 में गणतंत्र दिवस परेड की शोभा बढ़ाने वाले अंतिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अहमद भाई के पास 5000 लोगों की सूची थी

इन से संपर्क करके वे कभी भी पुराने अहसान याद दिलाकर पार्टी के लिए फण्ड मांग सकते थे

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। अहमद पटेल के पास कांग्रेस की कई जिम्मेदारियों के अलावा यह भी था कि वे पार्टी के कोष के संरक्षक थे।

राहुल गांधी की सबसे बड़ी चिन्ता यह है कि पार्टी चुनाव लड़ने और अपने भारी व्ययों पर पार पाने के लिए फण्ड्स कैसे जुटाएगी।

कांग्रेस के पास जो भी थोड़े-बहुत मुख्यमंत्री हैं, उन्हें ए.आई.सी.सी. के लिए फण्ड्स का योगदान देना पड़ता है। लेकिन यह फण्ड्स केन्द्र और राज्यों में पार्टी की विभिन्न इकाईयों को चलाने, स्टाफ का वेतन व अन्य खर्चे चुकाने के लिए जरूरी है जो काफी भारी मात्रा में है। मजेदार बात यह है कि राहुल गांधी के स्टाफ में के. राजू से लेकर निचले स्टाफकर्मियों को वेतन दिया जा रहा है और इन्हें प्रतिमाह 2 लाख रूपयों से कम नहीं दिया जा रहा। राहुल का तर्क यह है कि यदि लोगों को अच्छा वेतन दिया जाए तो वे भ्रष्ट आचरण नहीं करेंगे। लेकिन ऐसा लगता है कि राहुल ऐसी सोच रखते हैं कि असंभव कार्य भी संभव हो सकते हैं। ऐसा ही कुछ राहुल की टीम और उनके स्टाफ के प्रत्येक सदस्य के बारे में कहा जा सकता है।

- **अहमद भाई की यह भूमिका कौन निभा सकता हैः यह भी भारी समस्या है गांधी परिवार के लिए।**
- **यह समस्या और गंभीर इसलिए भी है, क्योंकि यू. पी. के विधानसभा का चुनाव 2022 में होने हैं। उसके बाद बंगाल, आसाम, पंजाब के चुनाव हैं तथा 2024 में लोकसभा के चुनाव।**
- **इन चुनावों के लिए फण्ड कहां से आयेगा। एक सुझाव तो यह आया है कि, यू. पी. का चुनाव मितव्ययता से, कम खर्चे से लड़ा जाए व लोकसभा चुनाव के लिए पैसा बचाया जाए। पर क्या यह निर्णय राजनीति की दृष्टि से ठीक होगा, स्वीकार्य होगा?**

अहमद पटेल पार्टी की वित्त व्यवस्था का काम-काज एक लम्बे अर्से से संभाले हुए थे। यहां तक कि जब मोतीलाल वोरा पार्टी कोषाध्यक्ष थे, पटेल तब भी इस जिम्मेवारी को संभालते थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)